भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1579

10 फरवरी, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोविड-19 के पश्चात् बीमारियां

1579. श्रीमती क्वीन ओझा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या महामारी के दुष्प्रभावों के कारण देश और विदेश में कोविड-19 के बाद होने वाली बीमारियों में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास कोविड-19 के बाद होने वाली ऐसी बीमारियों से संबंधित कोई आंकड़े हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार आयुर्वेद, यूनानी, योग, होम्योपैथी जैसी औषधि प्रणालियों को कोविड-19 के बाद होने वाली बीमारियों से बचाव के एक प्रभावी औषधि मानती है; और

(च) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में उक्त चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं/उठाए जाएंगे?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पोस्ट-कोविड सीक्वल के प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय व्यापक दिशानिर्देशों के अनुसार, आम सहमति से पोस्ट-कोविड सिंड्रोम को ऐसे संकेतों और लक्षणों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो कोविड-19 के अनुरूप संक्रमण के दौरान या बाद में विकसित होते हैं जो 12 सप्ताह से अधिक समय तक जारी रहते हैं और जिन्हें वैकल्पिक निदान द्वारा बताया नहीं जाता है। विस्तृत दिशानिर्देश निम्नलिखित पर उपलब्ध हैं- https://www.mohfw.gov.in/pdf/NationalComprehensiveGuidelinesforManagementofPostCovidSequelae.pdf

इस सिंड्रोम में वायरल संक्रमण के बाद 15 से 110 दिनों में थकान (58%), सिरदर्द (44%), एकाग्रता विकार (27%), बालों का झड़ना (25%), और सांस लेने में कठिनाई (24%) जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। पोस्ट-कोविड के 383 प्रतिभागियों पर भारतीय डेटा से पता चलता है कि संक्रमण के बाद 6 सप्ताह से 3 महीने में थकान (45.8%), सांस फूलना (37.5%), सिरदर्द (8.3%), मांसपेशियों में दर्द (33.3%) आदि जैसे लक्षण दिखाई दिए। [स्रोत - https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/33532785]

(ग) और (घ): उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यह बताने के लिए कोई प्रत्यक्ष अध्ययन नहीं है कि क्या कोविड-19 महामारी से अन्य बीमारियों की घटनाएं बढ़ी हैं। डब्ल्यूएचओ ने जानकारी दी है कि कोविड-19 महामारी के पहले वर्ष के दौरान विश्वभर में लोगों में चिंता और तनाव में 25% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। [स्रोत-https://www.who.int/news/item/02-03-2022-covid-19-pandemic-triggers-25-increase-in prevalence-of-anxiety-and-depression-worldwide]

(ङ) और (च): जी हां। भारत सरकार ने राष्ट्रीय कार्यदल द्वारा तैयार किए गए **"कोविड-19 के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल"** भी जारी किया है। इसमें रोगरोधी, बिना लक्षण, हल्के लक्षण वाले कोविड-19 के मामलों के प्रबंधन और पोस्ट-कोविड प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं।

आयुष मंत्रालय ने कोविड-19 और लॉन्ग कोविड-19 के दौरान समग्र स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी निवारक उपायों और देखभाल पर जनता के लिए आयुष सिफारिशें भी जारी की हैं। इसमें कोविड-19 के बाद आयुष संबंधी सिफारिशें भी हैं।

आयुष मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय संस्थानों और अनुसंधान परिषदों ने कोविड-19 के बाद की बीमारियों की रोकथाम के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं-

i. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली ने पोस्ट कोविड-19 रोगों के मरीजों के इलाज के लिए एक विशेष बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) की स्थापना की है और ओपीडी स्तर पर खाने वाली दवाओं से तथा अन्तरंग रोगी विभाग (आईपीडी) में आवश्यक पंचकर्म उपचारों से सफलतापूर्वक इलाज किया जा रहा है।
ii. केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभावों में आयुर्वेदिक उपचार (अगस्त्य हरीतिकी और अश्वगंधा) तथा योग पर एक नैदानिक अध्ययन शुरू किया है। अध्ययन पूरा हो गया है और अध्ययन के आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।
iii. केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने सामान्य रूप से कोविड-19 के बाद की बीमारियों के होम्योपैथिक उपचार, कोविड के बाद के मामलों में रेस्पाइरेटरी सीक्वल आदि पर शोध अध्ययन किए हैं।

*****